अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 2008

बाराक ओबामा और जॉन मैक्केन

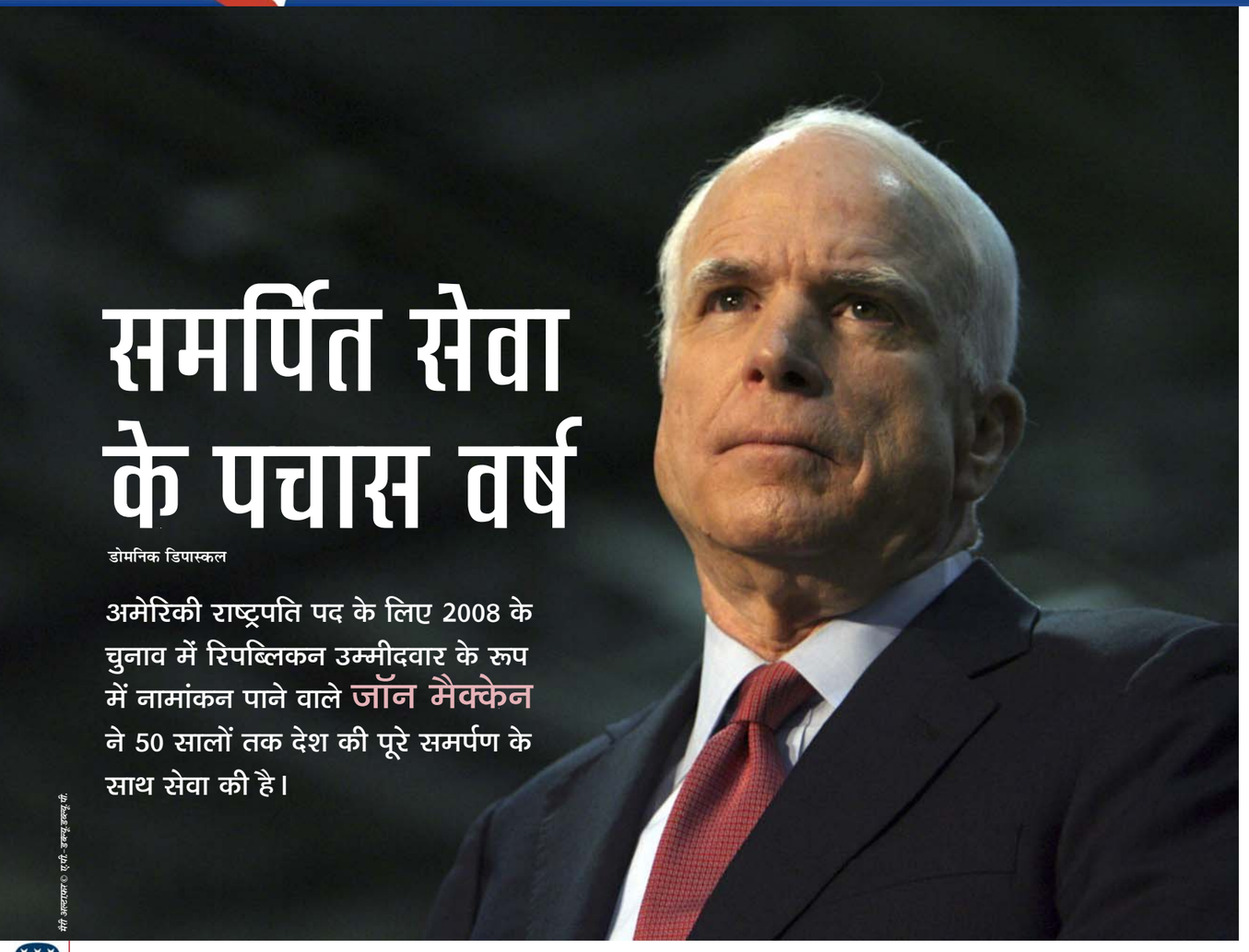

समर्पित सेवा के पचास वर्ष

डोमनिक डिपास्कल

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए 2008 के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार के रूप में नामांकन पाने वाले **जॉन मैक्केन** ने 50 सालों तक देश की पूरे समर्पण के साथ सेवा की है।

© ऐपी अरचिव © ऐपी इमेजेस यू.एस.

नौसेना के विमान उड़ाने वाले, वियतनाम में युद्धबंदी, कांग्रेस के सदस्य और सेनेटर रहे जॉन मैक्केन की जीवन गाथा बेबाकी से अपनी बात कह देने, मूल्यों और सिद्धांतों में आस्था रखने, कर्तव्य के प्रति समर्पित व्यक्ति और अपनी स्वाधीनता के प्रबल समर्थक के रूप में रही है। अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण उन्हें उत्तरी वियतनाम में बंदी बनाने वालों के क्रोध और कई बार अपने ही रिपब्लिकन साथियों की नाराज़गी का सामना करना पड़ा। लेकिन साथ ही उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें लाखों अमेरिकी मतदाताओं का समर्थन और प्रशंसा भी दिलाई।

''अल्मेनैक ऑफ अमेरिकन पॉलिटिक्स' का मानना है कि ''हमारी राजनीति में राष्ट्रीय नायक के आसपास कोई है'' तो वह जॉन मैक्केन जैसे ही हैं। वह सिल्वर स्टार, डिस्टिंग्विस्ड फ्लाइंग क्रॉस तथा पर्पल हार्ट जैसे पदकों से सम्मानित हो चुके हैं। मैक्केन ने वर्ष 2000 में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन के लिए अपना स्वतंत्र अभियान छेड़कर अपनी हाई-प्रोफ़ाइल छवि को और अधिक चमकाया। इसने तमाम अमेरिकियों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। उस दौड़ में वह हारे तो ज़रूर, लेकिन उस प्रयास से उनकी आवाज़ को, विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर, अमेरिकी सेनेट में बड़ा आदर मिला और वह रिपब्लिकन पार्टी की एक प्रमुख हस्ती के रूप में उभरे।

मैक्केन की सार्वजनिक छवि में किसी भी अन्य गुण की तुलना में व्यक्तिगत सम्मान के उनके सोच का सबसे बड़ा हाथ रहा है।

उन्होंने अपनी आत्मकथा 'फेथ ऑफ माइ फ़ादर्स' में लिखा है, ''जेल में मेरे मन में संजोई स्वतंत्रता का मखौल उड़ाया गया और उस पर हमला किया गया। मुझे अपने देश के प्रति निष्ठा में अपना आत्म सम्मान दिखाई दिया। कर्तव्यपालन से ही सम्मान मिलता है। मैंने और जिन लोगों के साथ मैंने काम किया, उन सबने अपना कर्तव्य स्वीकार किया और इसके लिए कृतज्ञता जताई।''

प्रारंभिक वर्ष

जॉन सिडनी मैक्केन का जन्म 29 अगस्त 1936 को अमेरिका द्वारा प्रशासित पनामा नहर क्षेत्र में हुआ था। उनके पिता और दादा अमेरिकी नौसेना में एडमिरल रहे। उनके पुरखे कभी स्काटलैंड के निवासी थे। उनके परिवार की सैन्य सेवा की परंपरा अमेरिका के 18 वीं सदी के स्वाधीनता संग्राम से शुरू होती है जिसमें मैक्केन के किसी पुरखे ने जनरल जॉर्ज वाशिंगटन के कर्मचारी दल में काम किया था।

© ऐपी इमेजेस यू.एस.

बिल्कुल बाएं: ऑरोरा, कोलोरैडो में टाउन हाल मीटिंग में जॉन मैक्केन। बाएं: मैक्केन वियतनाम से 1973 में घर वापस आए जहां वह पांच साल तक युद्धबंदी के रूप में रहे। उनकी पहली पत्नी कैरल और पुत्र डग इस मौके पर मौजूद थे। सॉकर खेलते समय डग की टांग टूट गई थी जिसके कारण वह बैसाखी लगाए हुए हैं।

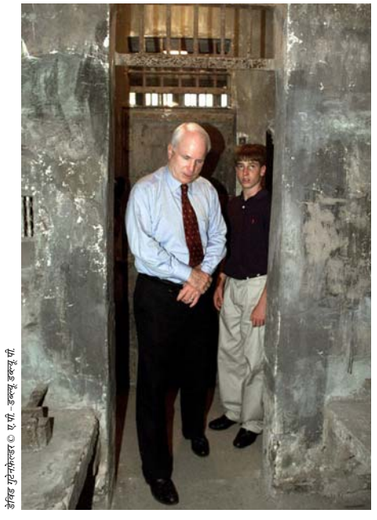

© ऐपी इमेजेस यू.एस.

बाएं: मैक्केन अपने पुत्र जैक के साथ वर्ष 2000 में यात्रा के दौरान उत्तरी वियतनाम की होआ लो जेल में।

पीटर मैकोल्ट © यू.पी. ऐसोसिएट्स

पीटरबॉरॉ, न्यू हैम्पशायर में एक टाउन हाल मीटिंग के बाद जॉन मैक्केन और उनकी पत्नी सिंडी।

सैन्य सेवा की खास प्रकृति के अनुरूप मैक्केन ने बचपन में खानाबदोशी का जीवन जीया क्योंकि पिता की विभिन्न ज़िम्मदारियों के कारण परिवार को प्रायः एक से दूसरे नौसैनिक अड्डे पर जाना पड़ता था। इस तरह हो सकता है लगातार एक जगह से दूसरी जगह जाने के कारण एक बाहरी और स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में इसका प्रभाव मैक्केन के स्वभाव पर भी पड़ा हो। उनके अनुसार, ''अपने खुले स्वभाव के कारण मैं हर नए स्कूल में अपने छूटे हुए दोस्तों की जगह नए दोस्त बनाने को उत्सुक रहता था।''

वर्ष 1954 में मैक्केन ने अलैक्जैंड्रिया, वर्जीनिया के एपिस्कोपल हाईस्कूल से ग्रेजुएशन किया और अमेरिकी नौसैनिक एकेडमी पहुंच गए। एकेडमी में उन्होंने, उनके ही शब्दों में, 'हुक्मउदूली और बगावत का' चार-वर्षीय कोर्स किया। पार्टी के लिए सदैव तत्पर, मिलनसार साथी, आचरण की अनेक कमियों और पढ़ाई में कमज़ोर छात्र की ख्याति के साथ मैक्केन ने 1958 में ग्रेजुएशन पूरा किया। उन्होंने कक्षा की योग्यता सूची में नीचे से पांचवा स्थान अर्जित किया।

नौसैनिक उड़ाका और युद्धबंदी

नौसैनिक अधिकारी के रूप में चुने जाने के बाद मैक्केन ने पेंसाकोला, फ़्लोरिडा के उड्डयन स्कूल में प्रशिक्षण लिया जहां से उन्हें पायलट की उपाधि मिली। 1960 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने भूमध्य सागर क्षेत्र में विमानवाहक पोतों पर काम संभाला। उसी दशक के मध्य में वियतनाम में अमेरिका का दखल बढ़ जाने पर मैक्केन ने कमान संभालने का सपना देखा और उन्हें लगा कि युद्ध में बेहतर प्रदर्शन करके इसे पूरा किया जा सकता है।

1967 में जब वे उत्तर वियतनामी तट के पार टोंकिन खाड़ी में यूएसएस फ़ोरेस्टल की सेवा में थे तो उड़ान शुरू करते समय उनके ए-4 लड़ाकू जेट के फ़्लाइट डेक में भयंकर आग लग गई जिसने पूरे विमान को घेर लिया। तब मुश्किल से उनकी जान बची। उसके फौरन बाद मैक्केन स्वेच्छा से उसे छोड़कर यूएसएस ऑरिस्कनी कैरियर पोत के स्क्वैड्रन में शामिल हो गए।

26 अक्टूबर 1967 की एक घटना ने मैक्केन की ज़िंदगी को सदा के लिए बदल दिया। वह हनोई के एक बिजलीघर पर बमबारी की मुहिम पर थे, तभी जमीन से छोड़ी गई एक मिसाइल ने उनके ए-4 लड़ाकू विमान का दाहिना पंख उड़ा दिया।

साउथ पोर्टलैंड में मेन सैन्य संग्रहालय में प्रचार अभियान के दौरान युद्ध में भाग लेने वाले सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ जॉन मैक्केन।

यू.पी. ऐसोसिएट्स © यू.पी. ऐसोसिएट्स

मैक्केन दुर्घटनाग्रस्त विमान से पैराशूट के सहारे कूद गए और शहर के बीचोंबीच एक झील में जा उतरे। उनका घुटना और दोनों हाथ टूट गए। उन्हें फौरन पकड़ लिया गया और साढ़े पांच वर्ष तक कैद में रहे। उत्तरी वियतनाम के अनेक युद्धबंदी शिविरों में उन्हें बर्बर व्यवहार और उत्पीड़न सहना पड़ा।

बंदी बनाने वालों द्वारा सैन्य सूचनाओं का पता लगाने या अमेरिकी प्रचार के विरुद्ध बयान देने के लिए अन्य अमेरिकी युद्धबंदियों की तरह मैक्केन की भी बुरी तरह पिटाई होती। जल्दी रिहा कर देने के एक प्रस्ताव को ठुकरा देने के बाद मैक्केन की कई दिनों तक इतनी बुरी तरह पिटाई की गई कि उन्हें ज़बर्दस्ती एक बयान पर हस्ताक्षर करने पड़े जिसके कारण उन्हें मानसिक पीड़ा और शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। फिर भी वह टूटे नहीं और जलालत की इस ज़िंदगी का सामना करके उन्होंने अपने युद्धबंदी साथियों की नज़र में दृढ शक्ति वाले व्यक्ति का सम्मान अर्जित किया।

मैक्केन कैद में रहने और दो वर्ष के एकाकी बंदी जीवन की कठोर परिस्थितियों को सहन करने का श्रेय ''ईश्वर, अपने देश और साथी कैदियों में अपने विश्वास'' को देते हैं। अपने साथी युद्धबंदियों के प्रतिरोध और बहादुरी की बात करते हुए मैक्केन कहते हैं, ''वे मेरे लिए चिराग के समान थे, साहस और विश्वास का एक ऐसा चिराग जिसकी रोशनी ने मेरे घर की राह को रोशन कर दिया और मैं इस रोशनी में खड़ा रहने के लिए आतंक और निराशा से लड़ सका।''

केविन मैकेन्ज़ © यू.पी. ऐसोसिएट्स

अलेक्स ब्रैंडन © यू.पी. ऐसोसिएट्स

ऊपर: बेथलेहम, पेंसिल्वैनिया में किंग्स सुपरमार्केट के फल-सब्जी सेक्शन में रीनी गॉल्ड और उनकी बेटी मॉर्गन के साथ जॉन मैक्केन।
बाएं: कैटरीना तूफान से क्षतिग्रस्त न्यू ऑर्लिएंस के दौरे पर जॉन मैक्केन।

राजनीति में प्रवेश

जनवरी 1973 में अमेरिका और उत्तरी वियतनाम के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर हुए जिसमें युद्धबंदियों की रिहाई भी शामिल थी। तब उस वर्ष 15 मार्च को मैक्केन भी फिर से आज़ाद हो गए। युद्ध में लगी गहरी चोटों के बावजूद मैक्केन जब आज़ाद हुए तो समाचारों की फुटेज में उन्हें लंगड़ाते हुए स्वयं वायुयान से बाहर आते हुए देखा जा सकता है। उसके बाद उन्होंने पूरी कोशिश करके अपने आपको शारीरिक रूप से इतना ठीक कर लिया कि वह फिर से नौसैनिक विमान उड़ाने वाले बन गए।

वह 1973 से 1974 तक वांशिगटन, डी.सी. स्थित नेशनल वार कॉलेज में रहे जहां उन्होंने युद्धबंदियों के प्रतिरोध पर शोध प्रबंध लिखा। इसके बाद उन्हें जो ज़िम्मेदारी मिली, उसने उनकी ज़िंदगी को एक नई दिशा दे दी। 1977 में मैक्केन अमेरिकी सेनेट के लिए नौसेना के संपर्क अधिकारी के रूप में काम करने लगे। 'न्यू यॉर्क टाइम्स' के अनुसार ''अपनी इस भूमिका में उन्होंने वैधानिक बहसों का उतार-चढ़ाव देखा... विभिन्न विचारधाराओं के लोगों से व्यक्तिगत मित्रता और व्यावसायिक मेलजोल कायम किया। यह उनके भावी सेनेट कॅरिअर की पहचान बना।''

हालांकि उन्हें एडमिरल के रैंक की पदोन्नति मिल रही थी, लेकिन मैक्केन ने 1981 में नौसेना से अवकाश ले लिया। वह अपनी दूसरी पत्नी सिंडी के गृह राज्य एरिज़ोना चले आए। सिंडी से उन्होंने 1980 में विवाह किया था। वह 1982 में पहली बार राजनीतिक पद के लिए खड़े हुए और 66 प्रतिशत मतों के साथ एरिज़ोना के प्रथम कांग्रेस जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य चुन लिए गए। वर्ष 1984 में उन्होंने फिर प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव जीता और 1986 में बेरी गोल्डवाटर (जो 1964 में स्वयं भी रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे) के अवकाश ग्रहण करने से रिक्त हुई सेनेट की सीट के लिए चुनाव लड़ा और उसमें विजयी रहे।

सेनेट के प्रारंभिक कार्यकाल में मैक्केन ने अपने व्यक्तिगत अनुभव से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, पूर्व सैनिकों की सहायता तथा वियतनाम के साथ संबंध सुधारना। इस अंतिम मुद्दे पर उन्होंने वियतनाम युद्ध के एक साथी नायक डेमोक्रेट सेनेटर जॉन कैरी के साथ मिलकर काम किया। वर्षों बाद, जब 2004 में कैरी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए तो उन पर अपनी सैन्य सेवा को गलत दर्शाने का राजनीतिक आरोप लगाया गया। तब मैक्केन ने अपने इस पूर्व सैन्य साथी के युद्ध रिकॉर्ड के बचाव में अपनी आवाज़ बुलंद की।

भिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के बीच भी काम करना मैक्केन के लिए कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने सेनेट में कई जटिल मुद्दों पर डेमोक्रेट प्रतिनिधियों के साथ भी आम सहमति कायम की- कई बार सफलता के साथ, जैसे वियतनाम के साथ संबंधों को सामान्य बनाने में। लेकिन, कई बार वह अपने प्रयास में असफल भी रहे, जैसे सेनेटर एडवर्ड केनेडी के अवैध आप्रवासन के गर्म मुद्दे पर।

सेनेटर के रूप में अपने चौथे कार्यकाल में मैक्केन ने रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख राजनीतिक मुद्दों पर कांग्रेस का अच्छा समर्थन हासिल किया है यथा मज़बूत राष्ट्रीय सुरक्षा, कम टैक्स, सक्रियतावादी न्यायाधीशों का विरोध तथा गर्भपात के मुद्दे पर जीवन बचाने का समर्थन। उन्होंने वित्तीय सुधार अभियान का अपने बल पर खुलकर समर्थन किया जबकि फालतू सरकारी व्यय तथा विधायकों की मनपसंद परियोजनाओं के लिए आर्थिक सहायता की प्रथा का जमकर विरोध किया।

बिल्कुल बाएं से: अस्पेन, कोलोरैडो में दलाई लामा के साथ जॉन मैक्केन, कांग्रेस सदस्यों की काबुल यात्रा के दौरान सेनेटर हिलैरी क्लिंटन और जॉन मैक्केन अफ़गानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करज़ई के साथ, मध्य बगदाद, इराक के शोरजा बाज़ार में मैक्केन, साउथ डकोटा में स्टर्जिस मोटरसाइकिल रैली के दौरान लोगों को संबोधित करते मैक्केन।

राष्ट्रपति पद के लिए दौड़

मैक्केन पहली बार वर्ष 2000 में रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन के लिए दौड़ में थे। काफी मतदाताओं को उनकी सच्चाई, स्वयं अपना भी मजाक बनाने और साफ बात कहने की शैली ऐसी विशेषताएं लगीं जिनके कारण न केवल राष्ट्रीय स्तर पर उनकी ओर ध्यान आकर्षित हुआ बल्कि अन्य पार्टियों का भी सहयोग हासिल हुआ। उनकी चुनाव अभियान बस को 'स्ट्रेट टॉक एक्सप्रेस' कहा गया। मैक्केन न्यू हैम्पशायर में होने वाले देश के शुरुआती प्राइमरी चुनाव में सदा आगे रहने वाले जॉर्ज बुश को पछाड़ कर जीतते चले गए। लेकिन, उसके बाद चुनाव अभियान में उन्हें मिश्रित परिणाम मिले। अन्य राज्यों में वह पर्याप्त संख्या में रिपब्लिकन मतदाताओं के पर्याप्त मत नहीं पा सके। कैलिफ़ोर्निया और न्यू यॉर्क जैसे प्रमुख राज्यों में नुकसान उठाने के बाद मैक्केन ने अपना अभियान स्थगित करके बुश का समर्थन किया जिन्होंने उस साल नवंबर में विजयी होकर व्हाइट हाउस पुन: रिपब्लिकन पार्टी के हाथों में सौंप दिया।

आगामी कई वर्षों तक मैक्केन राष्ट्रीय राजनीति में प्रमुख हस्ती रहे। 2002 में अमेरिकी कांग्रेस ने अंतत: चुनाव अभियान वित्त संशोधन को कानूनी जामा पहना दिया जिसे मैक्केन और डेमोक्रेट सेनेटर रस फ़ीनगोल्ड ने तैयार किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबल समर्थक मैक्केन ने 2003 में इराक पर हमला करने का समर्थन किया, हालांकि बाद में उन्होंने शुरुआती दौर में जिस तरह युद्ध छेड़ा गया, उसकी कड़ी आलोचना की।

वर्ष 2004 में मैक्केन 21 के विपरीत 77 प्रतिशत की बढ़त के साथ सेनेट के लिए चौथी बार चुन लिए गए और रिपब्लिकन नामांकन के लिए उन्हें 2008 के राष्ट्रपति चुनाव में अगर सबसे आगे रहने वाले प्रत्याशी के रूप में नहीं तो शुरू में एक मज़बूत प्रत्याशी के रूप में ज़रूर देखा गया। लेकिन, इस चुनावी दौड़ में रिपब्लिकन उम्मीदवारों के बड़ी संख्या में शामिल होने और 2007 में आगामी वर्ष के दीर्घकालीन प्राइमरी तथा कॉकस चुनावों की तैयारी में जुट जाने के कारण मैक्केन का चुनावी अभियान स्टाफ समस्या तथा गंभीर वित्तीय समस्याओं और मतदान के गिरते परिणामों के कारण ठंडा पड़ता गया।

अपनी दृढ़ता के जिस गुण से मैक्केन ने अपने युद्धबंदी जीवन के समय का सामना किया, उसी गुण से उन्होंने इस विपरीत दौर का भी मुकाबला करने में भी मदद मिली। उनके एक सलाहकार ने उनसे कहा, ''मेरे पास आपके लिए एक जटिल रणनीति है। चुनावी दौड़ में तब तक बने रहिए जब तक केवल आप ही न रह जाएं।''

मैक्केन ने ठीक यही किया। आयोवा में आयोजित देश की पहली कॉकस प्रतियोगिता को छोड़ कर मैक्केन ने जनवरी 2008 की प्राइमरी के लिए अपनी 2000 की शानदार विजय के न्यू हैंपशायर राज्य पर ध्यान केंद्रित किया। उस राज्य में वह महीनों रहे और न्यू हैम्पशायर के अपनी मर्जी से मतदान करने के लिए प्रसिद्ध मतदाताओं के साथ 101 टाउन हाल बैठकें कीं। उन्हें अपने प्रमुख रिपब्लिकन प्रतिस्पर्धी उम्मीदवारों के बीच शानदार जीत हासिल हुई। अन्य राज्यों में जहां शुरुआती मतदान हो रहा था, वहां नतीज़े यद्यपि उनमें, मैसाच्यूसेट्स के पूर्व गवर्नर मिट रोम्नी और अर्कान्सास के पूर्व गवर्नर माइक हकाबी के बीच बंट गए लेकिन 20 से अधिक राज्यों में 5 फ़रवरी के एक साथ होने वाले सुपर मंगलवारी प्राइमरी चुनाव में मैक्केन की बढ़त सुनिश्चित हो गई। मैक्केन कैलिफ़ोर्निया, इलिनॉय तथा न्यू यॉर्क जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में विजयी रहे और उनके डेलीगेटों की संख्या प्रतिस्पर्धी उम्मीदवारों से कहीं अधिक हो गई। 4 मार्च 2008 को ओहायो और टेक्सस में विजयी होने के बाद मैक्केन के डेलीगेटों की संख्या रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति चुनाव के नामांकन के लिए आवश्यक 1,191 डेलीगेटों से अधिक हो गई।

मैक्केन राष्ट्रपति के रूप में?

चुनाव अभियान के दौरान मैक्केन की उम्र चर्चा में रही। यदि चुन लिए गए तो मैक्केन 72 वर्ष की उम्र में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे और इस तरह वह राष्ट्रपति पद का पहला कार्यकाल संभालने वाले सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति होंगे। अपने सक्रिय चुनाव अभियान कार्यक्रम और स्वयं का मखौल उड़ाने के अपने ट्रेडमार्क से उन्होंने अपनी उम्र तथा स्वास्थ्य के सवाल का जवाब देने की कोशिश की है। वह मजाक में कहते हैं कि 'उनकी उम्र उतनी ही है जितनी मिट्टी की है' और 'उन पर फ्रैंकनस्टाइन से अधिक खरोंचें' हैं। चुनाव अभियान के जुलूसों में अपनी स्वस्थ 96 वर्षीय मां को लाकर भी शायद यही छिपा हुआ संदेश देना चाहते है कि उनका स्वास्थ्य और ऊर्जा स्तर राष्ट्रपति पद का काम संभालने लायक है।

मैक्केन अपने चुनाव अभियान में हालांकि रिपब्लिकन पार्टी की परंपरागत नीतियों का समर्थन करते हैं, लेकिन वे जहां ज़रूरी है, वहां नए रास्ते पर चलने की इच्छा भी जाहिर कर रहे हैं। वह वर्ष 2007 में इराक में अमेरिकी सेना की उपस्थिति का खुला समर्थन करते हैं और इराक तथा अफ़गानिस्तान में तब तक अमेरिकी सेना रखने के पक्षधर हैं जब तक उन देशों में स्थायित्व नहीं आ जाता और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद का लगातार मुकाबला करने के भी पक्षधर हैं। ये विचार वर्तमान अमेरिकी नीति का ही हिस्सा हैं। ऊर्जा के संबंध में उनका कहना है कि परमाणु ऊर्जा का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए और सामुद्रिक तेल का और अधिक खनन किया जाए। आर्थिक नीति के तहत वह बुश प्रशासन के दौरान की गई करों में कमी को को स्थायी रूप से लागू करने का समर्थन करते हैं।

लेकिन, अन्य मुद्दों पर मैक्केन के विचार वर्तमान प्रशासन से भिन्न हैं। उदाहरण के लिए उनका मानना है कि विदेश नीति के सवालों पर अमेरिका के मित्र राष्ट्रों के साथ अधिक सहयोग का रुख अपनाया जाना चाहिए। वैश्विक तपन (ग्लोबल वार्मिंग) तथा जलवायु परिवर्तन पर उन्होंने और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प किया है जिसमें 2050 तक अमेरिका में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 60 प्रतिशत तक कमी करना शामिल है।

2008 के चुनाव का भले ही जो भी परिणाम सामने आए, मैक्केन निस्संदेह देश सेवा में जुटे रहेंगे, जिसकी सेवा में उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। इसका कारण उनकी आत्मकथा के एक सरल किंतु भावपूर्ण अंश में दिया गया है जिसमें उन्होंने उस पाठ के बारे में बताया है, जो उन्होंने उत्तरी वियतनाम में बंदी जीवन के दौरान सीखा:

''जब तक मैं थोड़े समय के लिए अमेरिका से दूर नहीं चला गया, मैंने यह अनुभव नहीं किया था कि मैं इससे कितना प्यार करता हूं।''

***डोमनिक डिपास्कल** ने 27 वर्षों तक अमेरिकी सूचना एजेंसी तथा विदेश विभाग में काम किया है। अब वह स्वतंत्र लेखक के रूप में कार्यरत हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचार editorspan@state.gov पर भेजिए।

फोटो आर्टवर्क्स पब्लिशिंग © यू.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

उम्मीदवारों की पसंद

बाएं और बिल्कुल दाएं: प्रेसिडेंशियल मैटेरियल के शीर्षक से कॉमिक बुक के रूप में प्रकाशित जॉन मैक्केन और बाराक ओबामा की जीवनी से संबंधित किताबों के आवरण।

अगले साल ओवल ऑफ़िस में अब्बा की आवाज सुनी जाएगी या फिर जय-ज़ेड की। जनवरी में उद्घाटन दिवस के बाद व्हाइट हाउस के स्क्रीनिंग कक्ष में बच्चों की फ़िल्मों को दिखाया जाना आम बात होगी या फिर हैरिसन फ़ोर्ड की एडवेंचर फ़िल्में होगीं जिनमें नायक उम्रदराज़ व्यक्ति होगा।

बाराक ओबामा और जॉन मैक्केन, दोनों ही राष्ट्रपति पद के लिए अमेरिका के पसंदीदा विकल्प होना चाहते हैं। लेकिन राष्ट्रपति के इन उम्मीदवारों को कौनसा फ़िल्मी प्रेसिडेंट पसंद हैं? किस तरह के टीवी शो और संगीत उनकी पसंद में शुमार हैं?

किसी को ये मुश्किल सवाल पूछने ही थे। इसलिए एंटरटेनमेंट वीकली ने इस काम को अंज़ाम दिया। पत्रिका में प्रस्तुत साक्षात्कार http://www.ew.com पर उपलब्ध हैं।
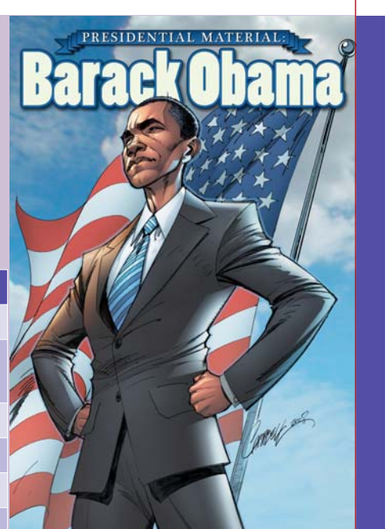
	मैक्केन	ओबामा
पसंदीदा गायक	अब्बा	जय-जेड़
पसंदीदा फ़िल्म या टीवी प्रेसिडेंट	डेनिस हेसबर्ट 24 (टीवी शो)	जेफ़ ब्रिज्स द कंटेंडर (फ़िल्म)
पसंदीदा फ़िल्म	वीवा ज़पाटा	द गॉडफ़ादर
कौनसा सुपरहीरो बनना चाहेंगे?	बैटमैन	स्पाइडरमैन/ बैटमैन
पहली फ़िल्म जिसे देखने के बारे में याद है?	बाम्बी	बॉर्न फ्री
क्या आप कभी रोए?	ओह, हां	हो सकता है आंसू आए हों